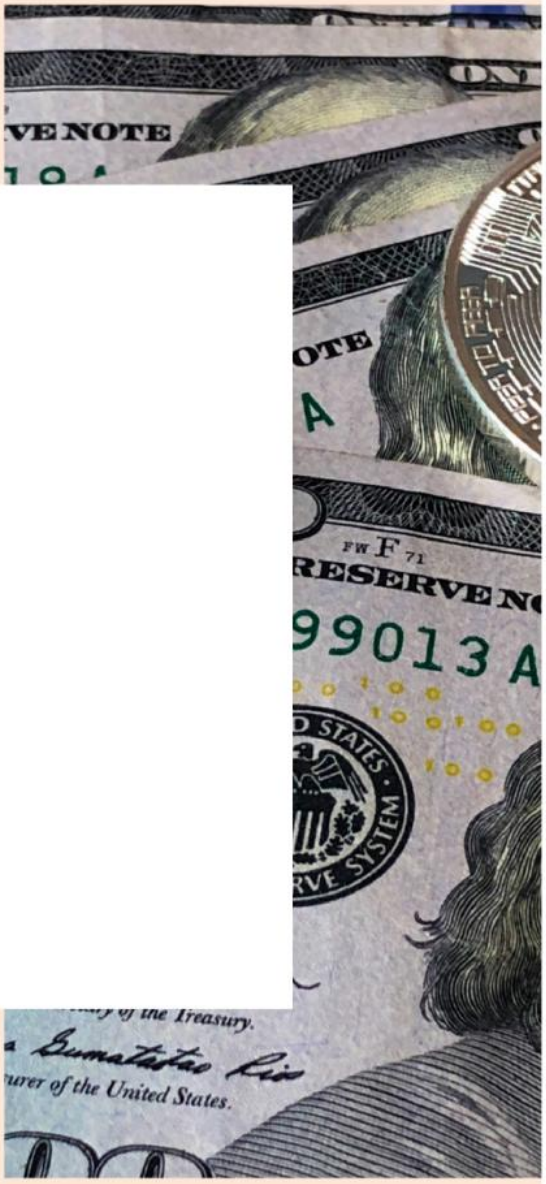
aglasem.com

कक्षा १२ अर्थशास्त्र नोट्स

मुद्रा एवं बैंकिंग



Key Notes and Important Questions with Answers

इकाई–VI

मुद्रा एवं बैंकिंग

स्मरणीय बिन्दु

- **मुद्रा :** मुद्रा को ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो विनिमय के माध्यम, मूल्य के मापक, स्थगित भुगतानों के माप तथा मूल्य संचय हेतु, संचय रूप से स्वीकार की जाती है।
- **मुद्रा की आपूर्ति** = जनता के पास करेंसी + बैंकों के पास मांग जमाएं + रिजर्व बैंक के पास अन्य जमाएं

  M = C + DD + OD
- **मांग जमा :** ये वे जमाएं हैं जो किसी भी समय मांगने पर बैंक से निकलवाई जा सकती हैं या जिन्हें चैक द्वारा भी निकलवाया जा सकता है।
- **व्यावसायिक बैंक का अर्थ :** व्यापारिक बैंक वह वित्तीय संस्था है जो मुद्रा तथा साख में व्यापार करती है। व्यावसायिक बैंक ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से जनता से जमाएँ स्वीकार करते हैं तथा अपने लिए लाभ का सृजन करती हैं।
- **व्यावसायिक बैंकों द्वारा साख निर्माण / मुद्रा निर्माण**
- साख निर्माण से तात्पर्य बैंकों की उस शक्ति से है जिसके द्वारा वे प्राथमिक जमाओं का विस्तार करते हैं। बैंकों द्वारा साख सृजन की प्रक्रिया तथा वैधानिक आरक्षित अनुपात (LRR) में विपरीत सम्बन्ध होता है।

  जमा गुणक या साख गुणक $= \frac{1}{LRR}$

  जमा सृजन = प्रारम्भिक जमा × जमा गुणक।

  शुद्ध/निवल साख का सृजन = जमा सृजन – प्रारम्भिक जमा।
- **केन्द्रीय बैंक :** एक देश की बैंकिंग व वित्तीय प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है

जो देश के मौद्रिक व बैंकिंग ढाँचे का संचालन, नियंत्रण, निर्देशन एवं नियमन करती है तथा देश के हित में मौद्रिक नीति का निर्माण करती है।

- **केन्द्रीय बैंक के कार्य**

  1. नोट निर्गमन का एकाधिकार अर्थात् वैधानिक मुद्रा का जारीकर्ता बैंक
  2. सरकार का बैंकर, अभिकर्त्ता एवं सलाहकार
  3. बैंकों का बैंक तथा पर्यवेक्षक
  4. साख नियंत्रक
  5. विदेशी मुद्रा का एक मात्र संग्राहक और संरक्षक

- **रेपो दर :** वह ब्याज दर जिस पर केन्द्रीय बैंक व्यावसायिक बैंकों को अल्पकाल के लिए ऋण प्रदान करता है, रेपो दर कहलाता है।

- **रिवर्स रेपो दर :** वह दर जिस पर व्यवसायिक बैंक केन्द्रीय बैंक के पास अपना अतिरिक्त फंड जमा करते हैं।

- **वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) :** SLR से अभिप्राय वाणिज्यिक बैंकों की तरल परिसंपतियों से है जो उन्हें अपनी कुल जमाओं के न्यूनतम प्रतिशत के रूप में अपने पास रखने की आवश्यकता होती है।

- **नकद आरक्षित अनुपात (CRR) :** प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपने पास कुल जमा राशियों का एक न्यूनतम अनुपात केन्द्रीय बैंक के पास कानूनन जमा करना होता है। इसे नकद आरक्षित अनुपात कहते हैं।

- **खुले बाजार की क्रियाएँ** (Open Market Operations)— देश के केंद्रीय बैंक (रिजर्व बैंक) द्वारा खुले बाजार में प्रतिभूतियों (Seeurities) के खरीदने अथवा बेचने से संबधित क्रिया को खुले बाजार की क्रिया कहते हैं। जब रिजर्व बैंक (केंद्रीय बैंक) बाजार में प्रतिभूतियों को बेचना प्रारंभ करता है तो वाणिज्य बैंकों के नकदी कोषों में कमी आ जाती है, इसके परिणामस्वरूप बैंकों की साख निर्माण क्षमता घट जाती है। इस प्रकार, प्रतिभूतियों की बिक्री साख की उपलब्धता को कम कर देती है।

❑ **बैंक दर (Bank Rate)–** जिस दर पर देश का केंद्रीय बैंक वाणिज्य बैंकों को ऋण देता है या वाणिज्य बैंकों की प्रथम श्रेणी के विनिमय बिलों व सरकारी प्रतिभूतियों पर कटौती काटता है, उसे बैंक दर कहते है।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न
अति लघु उत्तरीय प्रश्न
1 अंक

प्र. 1. 'मांग जमाएं' क्या है?

उत्तर. वे जमाएँ जिनका आहरण (withdrawal) चैक द्वारा किया जा सकता है।

प्र. 2. नगद निधि अनुपात (CRR) को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. यह व्यापारिक बैंक की कुल जमाओं का वह अनुपात है जिसे व्यापारिक बैंक को अनिवार्य रूप से केन्द्रीय बैंक के पास जमा करना पड़ता है।

प्र. 3. 'मुद्रा आपूर्ति' से क्या अभ्रिपाय है?

उत्तर. मुद्रा पूर्ति से अभिप्राय एक निश्चित समय पर देश में जनता के पास कुल मुद्रा के स्टॉक से है।

प्र. 4. मुद्रा आपूर्ति के घटक लिखिए।

उत्तर. (1) जनता के पास करेंसी (सिक्के व नोट). (2) मांग जमाएँ।

प्र. 5. बैंक दर क्या है? यह रेपो दर से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर. वह दर जिस पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों को दीर्घकालीन उद्देश्यों के लिए उधार देता है जबकि रेपो दर वह दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों को उनके अल्पकालीन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उधार देता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न
3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. केन्द्रीय बैंक के कार्य 'मुद्रा जारी करना' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. मुद्रा जारी करना केन्द्रीय बैंक का प्राथमिक और बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य है। आजकल प्रत्येक देश में केंद्रीय बैंक और इसलिए हमारे देश में रिजर्व बैंक को नोट-निर्गमन का एकाधिकार प्राप्त है इस कार्य का इतना अधिक महत्त्व हो गया है कि केंद्रीय बैंक को **'निर्गमन बैंक'** (Bank of Issue) ही कहा जाने लगा है। नोट जारी करने की दृष्टि से केंद्रीय बैंक तीन मुख्य बातों को ध्यान में रखता है: एकरूपता, लोचशीलता (आवश्यकता के अनुसार मुद्रा की मात्रा तय करना), और सुरक्षा। रिजर्व बैंक मुद्रा की वृद्धि को एक सीमा के भीतर ही बनाए रखने का प्रयत्न करता है और इस प्रकार, स्फीतिकारी दबावों को नियंत्रण में रखता है।

प्र. 2. केन्द्रीय बैंक के कार्य ''बैंकों का बैंक'' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. केन्द्रीय बैंक बैंकों का बैंक हैं। केन्द्रीय बैंक का अन्य व्यवसायिक बैंकों के साथ वैसा ही संबंध होता है, जैसा एक साधारण बैंक का अपने ग्राहकों के साथ होता है। केन्द्रीय बैंक व्यवसायिक बैंकों के कोषों का संरक्षक होता है तथा आवश्यकता पड़ने पर व्यापारिक बैंकों को ऋण प्रदान करता है।

प्र. 3. सीमांत आवश्यकता से क्या अभिप्राय है? यह साख के नियंत्रण में क्या भूमिका निभाती है?

उत्तर. सीमांत आवश्यकता से अभिप्राय बैंक द्वारा प्रतिभूति के आधार पर दिए गए ऋण तथा प्रतिभूति के वर्तमान मौद्रिक मूल्य के अंतर से है। यदि अर्थव्यवस्था में साख की मात्रा को नियंत्रित करना हो केन्द्रीय बैंक सीमांत आवश्यकता को बढ़ा देता है, जिससे ऋण की मांग में कमी आने से साख का विस्तार कम हो जाता है। इसके विपरीत साख विस्तार हेतु सीमांत आवश्यकता को कम कर दिया जाता है।

प्र. 4. केन्द्रीय बैंक के कार्य 'सरकार का बैंक' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. केन्द्रीय बैंक वे सभी बैंकिंग सुविधाएँ सरकार को प्रदान करता है, जो व्यापारिक बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को प्रदान की जाती हैं। केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंक एजेंट व वित्तीय सलाहकार के रूप में सरकार के लिए कोषों की व्यवस्था करता है। एक एजेंट के रूप में केन्द्रीय बैंक सरकार के लिए प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय तथा सार्वजनिक ऋण का प्रबन्ध करता है। साथ ही यह सरकार को उचित मौद्रिक नीतियों के निर्माण हेतु उपयोगी परामर्श प्रदान करता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न
6 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. मुद्रा/साख निर्माण से क्या अभिप्राय है? एक संरचनात्मक उदाहरण की सहायता से व्यापारिक बैंकों द्वारा किये जाने वाले मुद्रा निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर. मुद्रा निर्माण को ऐसी प्रक्रिया के रूप में व्यक्त किया जाता है जिसके अन्तर्गत एक व्यापारिक बैंक अपने निक्षेपों के आधार पर कई गुणा ऋण प्रदान करके अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि करता है। व्यापारिक बैंक द्वारा किया जाने वाला मुद्रा निर्माण मुख्यत: दो बातों पर निर्भर करता है।

1. प्राथमिक जमाएँ
2. वैधानिक कोष अनुपात (LRR)

$$\text{साख गुणक} = \frac{1}{\text{LRR}}$$

मुद्रा निर्माण की व्याख्या

माना अर्थव्यवस्था में (1) प्रारम्भिक जमाएँ-1000 रु. हैं। (2) वैध आरक्षित अनुपात 20% या 0.2 है। (3) अर्थव्यवस्था में कुल व्यय राशि पुन: बैंकों में जमा कर दी जाती है।

मान लीजिए प्राथमिक जमा 1000 रु. हैं। बैंक इस जमा से 200 रु. रिजर्व के रूप में रखकर 800 रु. उधार दे देंगें। ये 800 रु. अर्थव्यवस्था में होने के पश्चात् पुन: बैंक में वापिस जमा होंगे। व्यापारिक बैंक कुल जमाओं 800 रु. का 20% अर्थात् 160 रु. रिजर्व रखकर 640 उधार दे देंगे। यह कार्य पुन: बैंक की जमाओं में वृद्धि करेगा और यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगा। कुल निर्माण कितना होगा यह मुद्रा गुणक द्वारा निर्धारित होगा।

कुल मुद्रा निर्माण = प्रारम्भिक जमाएँ × साख गुणांक

$= 1000 \times \frac{1}{0.2} = 5,000$ रु.